प्रेस विज्ञप्ति

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 2025

भारत सरकार
Government of India
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एम. ओ. ई. एस.)
Ministry of Earth Sciences (MoES)

भारत मौसम विज्ञान विभाग
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

सितंबर 2025 के दौरान वर्षा और तापमान का मासिक आउटलुक
Monthly Outlook for Rainfall and Temperature during September 2025

मुख्य अंश

क) भारत में वर्षा – सितंबर 2025 में पूरे देश में मासिक औसत वर्षा सामान्य से अधिक (दीर्घावधि औसत (एलपीए) का 109% से अधिक) रहने की संभावना है। भौगोलिक दृष्टि से, देश के अधिकांश भागों में सामान्य या सामान्य से अधिक वर्षा होने की संभावना है। हालाँकि, पूर्वोत्तर और पूर्वी भारत के कुछ भागों, सुदूर दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत के कई क्षेत्रों और सुदूर उत्तरी भारत के कुछ भागों में सामान्य से कम वर्षा होने की संभावना है।

ख) भारत में सतही वायु तापमान – सितंबर 2025 के दौरान, पश्चिम-मध्य, उत्तर पश्चिम और दक्षिण भारत के कई क्षेत्रों में मासिक औसत अधिकतम तापमान सामान्य या सामान्य से कम रहने की संभावना है। पूर्व मध्य, पूर्व और उत्तर पूर्व भारत के कई भागों और उत्तर पश्चिम भारत तथा पश्चिमी तटीय क्षेत्र के कुछ हिस्सों में इसके सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। सितंबर 2025 में, देश के अधिकांश भागों में मासिक औसत न्यूनतम तापमान सामान्य या सामान्य से अधिक रहने की उम्मीद है। हालाँकि, उत्तर-पश्चिम भारत और दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत के कुछ भागों में न्यूनतम तापमान सामान्य से कम रहने की संभावना है।

ग) समुद्री सतह तापमान (एसएसटी) – वर्तमान में, भूमध्यरेखीय प्रशांत क्षेत्र में तटस्थ अल नीनो-दक्षिणी दोलन (ईएनएसओ/ENSO) स्थितियाँ व्याप्त हैं। मानसून मिशन जलवायु पूर्वानुमान प्रणाली (एमएमसीएफएस/MMCFS) और अन्य जलवायु मॉडलों के पूर्वानुमानों से पता चलता है कि ये तटस्थ स्थितियाँ मानसून ऋतु के अंत तक बनी रहने की संभावना है। वर्तमान में, हिंद महासागर में तटस्थ हिंद महासागर द्विध्रुव (आईओडी/IOD) स्थितियाँ व्याप्त हैं। एमएमसीएफएस और अन्य जलवायु मॉडलों के पूर्वानुमानों से संकेत मिलता है कि मानसून ऋतु के अंत में कमज़ोर नकारात्मक आईओडी स्थितियाँ विकसित होने की संभावना है, जो थोड़े समय के लिए बनी रहेंगी।

भारत मौसम विज्ञान विभाग **पूर्वोत्तर मानसून ऋतु (अक्टूबर से दिसंबर (ओएनडी/OND) 2025) के लिए वर्षा का पूर्वानुमान और अक्टूबर 2025 के महीने के लिए वर्षा और तापमान का आउटलुक सितंबर 2025 के अंत में** जारी करेगा।

.

1. पृष्ठभूमि

वर्ष 2021 से, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी/IMD) मल्टी-मॉडल एनसेंबल (एमएमई/MME) पूर्वानुमान प्रणाली के आधार पर देश भर में दक्षिण-पश्चिम मानसून वर्षा के लिए मासिक और ऋतुनिष्ठ पूर्वानुमान जारी कर रहा है। एमएमई दृष्टिकोण आईएमडी के मानसून मिशन जलवायु पूर्वानुमान प्रणाली (एमएमसीएफएस/MMCFS) मॉडल सहित विभिन्न वैश्विक जलवायु पूर्वानुमान और अनुसंधान केंद्रों के युग्मित वैश्विक जलवायु मॉडल (सीजीसीएम/CGCM) का उपयोग करता है।

आईएमडी ने 15 अप्रैल को देश भर में 2025 दक्षिण-पश्चिम मानसून ऋतुनिष्ठ (जून से सितंबर) वर्षा के लिए प्रथम चरण का पूर्वानुमान जारी किया था और 27 मई 2025 को पूर्वानुमान के लिए अद्यतन जारी किया था। इसके अलावा, आईएमडी ने 27 मई, 2025 को जून के दौरान और 30 जून, 2025 को जुलाई के दौरान वर्षा का पूर्वानुमान भी जारी किया था। अगस्त-सितंबर, 2025 के दौरान दक्षिण-पश्चिम मानसून ऋतुनिष्ठ वर्षा के लिए वर्षा पूर्वानुमान और अगस्त 2025 के लिए मासिक वर्षा और तापमान का पूर्वानुमान 31 जुलाई 2025 को जारी किया गया था। सितंबर 2025 के दौरान वर्षा और तापमान के लिए मासिक आउटलुक यहां प्रस्तुत किया गया है।

2. सितंबर 2025 के दौरान वर्षा का संभाव्य पूर्वानुमान

सितंबर 2025 के दौरान पूरे देश में मासिक वर्षा सामान्य से अधिक (दीर्घकालिक औसत (एलपीए/LPA) का 109% से अधिक) होने की संभावना है। 1971-2020 के आंकड़ों के आधार पर, सितंबर के दौरान पूरे देश में वर्षा का दीर्घकालिक औसत (एलपीए/LPA) लगभग 167.9 मिमी है।

सितंबर **2025** के लिए देश भर में टर्साइल वर्षा श्रेणियों (सामान्य से अधिक**,** सामान्य और सामान्य से कम) के स्थानिक वितरण का संभाव्य पूर्वानुमान चित्र. **1**. में दर्शाया गया है। यह दर्शाता है कि देश के अधिकांश भागों में सामान्य या सामान्य से अधिक वर्षा होने की संभावना है। हालाँकि**,** पूर्वोत्तर और पूर्वी भारत के कुछ हिस्सों**,** सुदूर दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत के कई क्षेत्रों और सुदूर उत्तरी भारत के कुछ हिस्सों में सामान्य से कम वर्षा होने की संभावना है। देश के भू-भाग के भीतर सफेद छायांकित क्षेत्रों पर मॉडल द्वारा कोई संकेत नहीं दिया गया है।

सामान्य से अधिक वर्षा कृषि और जल संसाधनों के लिए महत्वपूर्ण लाभ तो ला सकती है, लेकिन साथ ही बाढ़, भूस्खलन, सतही परिवहन में व्यवधान, जन स्वास्थ्य चुनौतियाँ और पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान जैसे संभावित जोखिम भी लाती है। इन जोखिमों का प्रभावी ढंग से प्रबंधन करने के लिए, बुनियादी ढाँचे को सुदृढ़ करना, आईएमडी की पूर्व चेतावनियों का उपयोग करना, निगरानी और संरक्षण प्रयासों को बढ़ाना, और संवेदनशील क्षेत्रों में मज़बूत प्रतिक्रिया प्रणालियाँ स्थापित करना आवश्यक है।

3. सितंबर 2025 के लिए तापमान का संभाव्य पूर्वानुमान

चित्र. 2 और **चित्र**. 3 सितंबर 2025 के लिए क्रमशः अधिकतम और न्यूनतम तापमान का संभाव्य पूर्वानुमान दर्शाते हैं। सितंबर 2025 के दौरान, पश्चिम मध्य, उत्तर पश्चिम और दक्षिण भारत के कई क्षेत्रों में मासिक औसत अधिकतम तापमान सामान्य या सामान्य से कम रहने की संभावना है। पूर्व मध्य, पूर्व और पूर्वोत्तर भारत के कई भागों और उत्तर पश्चिम भारत के कुछ हिस्सों और पश्चिमी तटीय क्षेत्र के कुछ हिस्सों में इसके सामान्य से अधिक रहने की संभावना है (**चित्र**. 2)। देश के स्थलीय क्षेत्र के भीतर सफेद छायांकित क्षेत्रों में मॉडल द्वारा कोई संकेत नहीं दिया गया है।

सितंबर 2025 में, देश के अधिकांश भागों में मासिक औसत न्यूनतम तापमान सामान्य या सामान्य से अधिक रहने की उम्मीद है। हालाँकि, उत्तर-पश्चिम भारत और दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत के कुछ भागों में सामान्य से कम न्यूनतम तापमान रहने की संभावना है (**चित्र**. **3)**। देश के स्थलीय क्षेत्र के भीतर सफेद छायांकित क्षेत्रों में मॉडल द्वारा कोई संकेत नहीं दिया गया है।

4. प्रशांत और हिंद महासागर में समुद्री सतह तापमान एसएसटी/SST स्थितियाँ

वर्तमान में, भूमध्यरेखीय प्रशांत क्षेत्र में तटस्थ अल नीनो-दक्षिणी दोलन (/ENSO) स्थितियाँ व्याप्त हैं। मानसून मिशन जलवायु पूर्वानुमान प्रणाली (एमएमसीएफएस/MMCFS) और अन्य जलवायु मॉडलों के पूर्वानुमानों से पता चलता है कि ये तटस्थ स्थितियाँ मानसून ऋतु के अंत तक बनी रहने की संभावना है।

वर्तमान में, हिंद महासागर में तटस्थ हिंद महासागर द्विध्रुव (आईओडी/IOD) स्थितियाँ व्याप्त हैं। MMCFS और अन्य जलवायु मॉडलों के पूर्वानुमानों से संकेत मिलता है कि मानसून ऋतु के अंत में कमज़ोर नकारात्मक IOD स्थितियाँ विकसित होने की संभावना है, जो थोड़े समय तक बनी रहेंगी।

5. विस्तारित रेंज पूर्वानुमान और लघु से मध्यम रेंज पूर्वानुमान सेवाएँ

आईएमडी देश भर में वर्षा और अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान के विस्तारित रेंज पूर्वानुमान (अगले चार सप्ताहों के लिए 7-दिवसीय औसत पूर्वानुमान) भी प्रदान करता है, जिन्हें प्रत्येक सप्ताह बृहस्पतिवार को अद्यतन किया जाता है। यह आईएमडी में वर्तमान में कार्यरत बहु-मॉडल समूह गतिशील विस्तारित अवधि पूर्वानुमान प्रणाली पर आधारित है। विस्तारित रेंज पूर्वानुमान आईएमडी वेबसाइट https://mausam.imd.gov.in/imd_latest/contents/extendedrangeforecast.php पर उपलब्ध हैं।

विस्तारित रेंज पूर्वानुमान के बाद आईएमडी द्वारा प्रतिदिन लघु से मध्यम रेंज का पूर्वानुमान जारी किया जाता है। ये पूर्वानुमान आईएमडी वेबसाइट https://nwp.imd.gov.in/gfsproducts_cycle00_mausam.php पर उपलब्ध हैं।

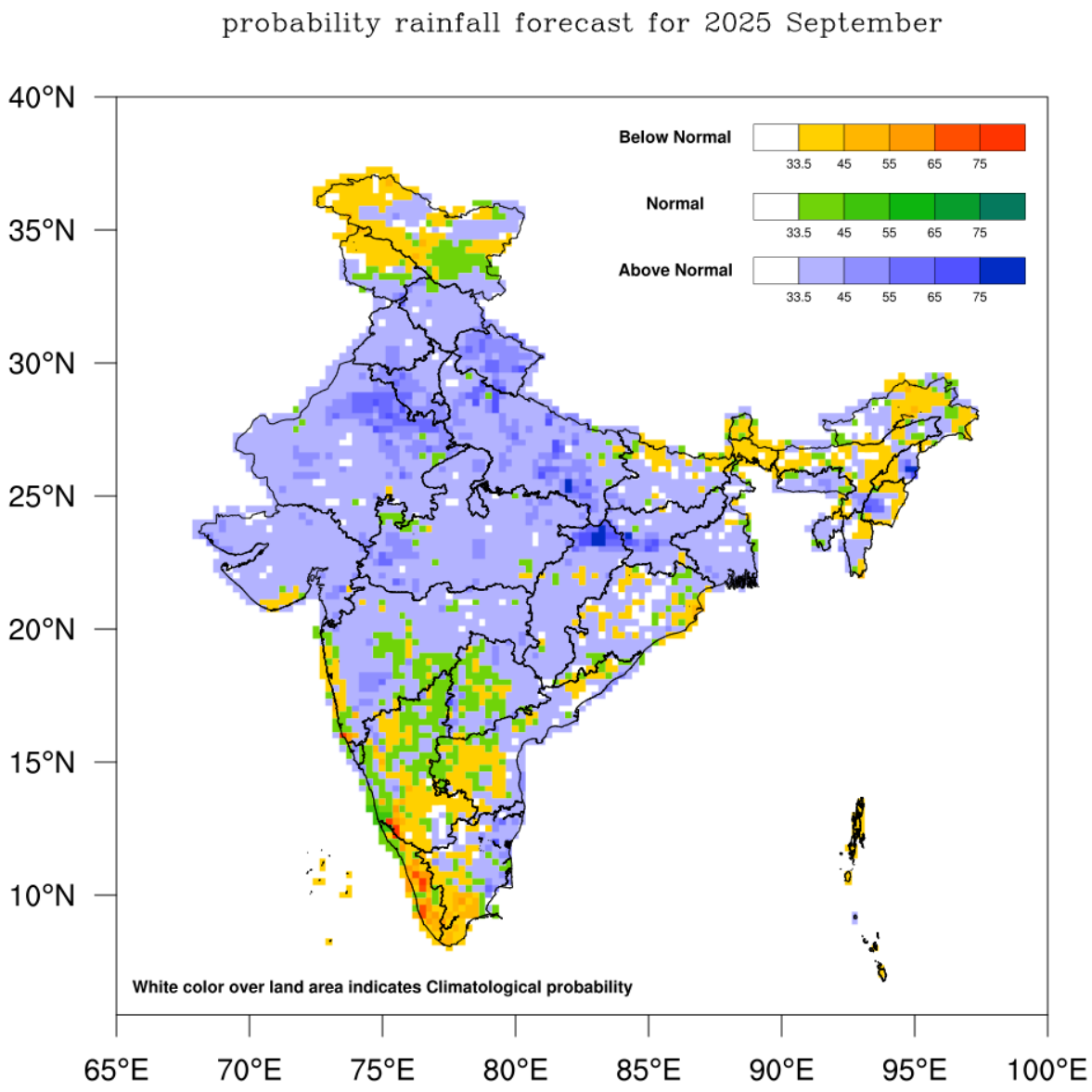

चित्र. 1. सितंबर 2025 के दौरान भारत में वर्षा की टर्साइल श्रेणियों* (सामान्य से कम, सामान्य और सामान्य से अधिक) का संभाव्य पूर्वानुमान। देश के भू-भाग के भीतर सफेद छायांकित क्षेत्रों

पर मॉडल द्वारा कोई संकेत नहीं दिया गया है। *टर्साइल श्रेणियों की जलवायु संबंधी संभावनाएँ समान हैं, प्रत्येक की 33.33%।

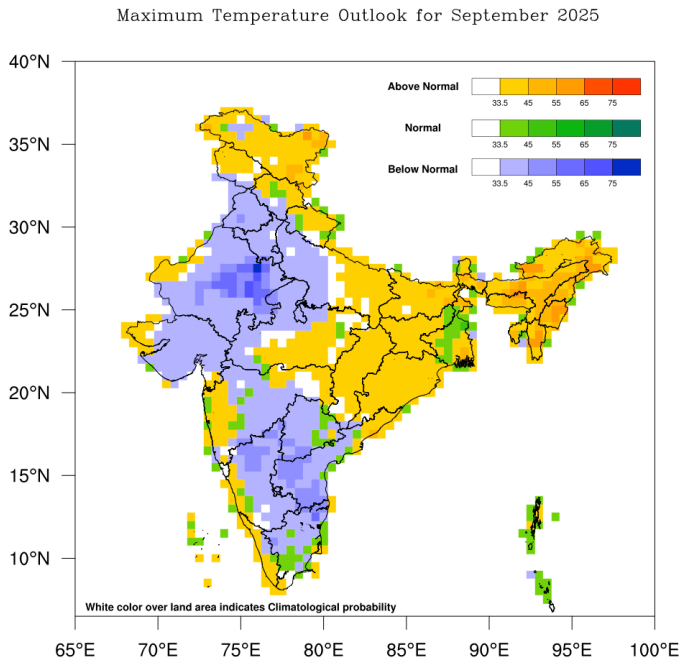

चित्र. 2. सितंबर 2025 के लिए अधिकतम तापमान का संभाव्य पूर्वानुमान।

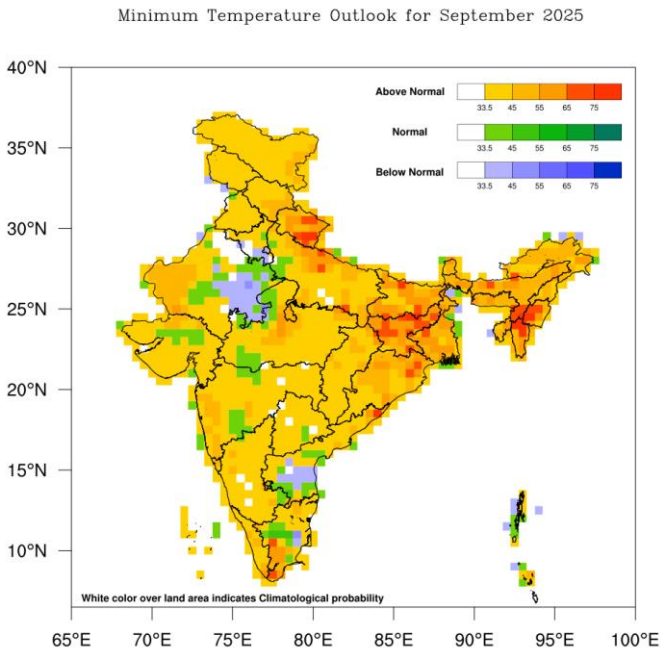

चित्र. 3. सितंबर 2025 के लिए न्यूनतम तापमान का संभाव्य पूर्वानुमान।